RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

YOUNGSTE · ESTABLISHED 2004 · NEW DELHI · MAY 2017 · PAGES 8 · PRICE 1/- · MONTHLY BILINGUAL (HIN./ENG.)

टेक्निया इंस्टिटच्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज का दीक्षांत समारोह संपन्न

दिंनाक 27 मई 2017 शनिवार को टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज मे दीक्षांत समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। इसे पहले बैंड–बाजे के साथ मुख्यातिथि प्रो. डॉ पंकज मित्तल(एडिशनल सेक्रेटरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) को दीक्षांत समारोह हॉल तक लाया जाना आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलित कर की गई। इसके उपरांत सरस्वती वंदना की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रो पायल पाहवा (प्रिंसिपल बीपीआईटी,दिल्ली), प्रो संजीव मित्तल (डीन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी ,दिल्ली), डॉ दानिश रिजवी (वाईस प्रेसिडेंट कॉरपोरेट अफेयर्स, रिलायंस एडीएजी, नई दिल्ली), श्री मुकेश गुप्ता (चेयरमैन, विजन दिव्यांग फाउंडेशन , दिल्ली), श्री राम कैलाश गुप्ता (चेयरमैन, टेक्नीया ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स), प्रो सरोज कुमार दत्ता (ऐकडेमिक एडवाइजर, टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज) व डॉ संध्या बिंदल (चेयरपर्सन, टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज) उपस्थित रहें। सस्थान के निदेशक डॉ अजय कुमार ने आए हुए सभी डिग्री धारकों व अन्य गणमान्यों के लिए स्वागत संबोधन किया। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्यों का उक्त समारोह में आने पर धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र व छात्रा के लिए उपाधि पत्र प्राप्त करना एक सुनहरे स्वप्न की तरह होता है। इस मौके पर मुख्यातिथि प्रो. डॉ पंकज मित्तल (एडिशनल सेक्रेटरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने डिग्री धारकों को अपने ज्ञान को राष्ट्र की सेवा व संस्थान के सम्मान को बनाए रखने की शपथ दिलाते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है बल्कि शिक्षा का उद्देश्य प्रतिभा का सदुपयोग करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसी सीढ़ी है जो आपको जीवन के जहाज पर चढ़ाती है। उन्होंने सभी डिग्री धारकों को जीवन में सफलता की शुभकामनाएं दीं। दीक्षांत समारोह में सत्र 2012 –2015 के 132 छात्र –छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं,जिसमे प्रतिची भाटिया (बी जे एम सी), तनु निर्वाल (एम सी ए), पुरुषार्थ रमानी, (बी बी ए), एवं शेफाली वर्मा (एम बी ए) को उत्ष्ठ प्रदर्शन करने के लिए गोल्ड मेडल दिए गए ।श्री राम कैलाश गुप्ता (चेयरमैन ,टेक्नीया ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स) ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत को शिक्षांत समारोह न समझें. यह शिक्षा का अंत नहीं है, बल्कि यहां से तो जिंदगी की कसौटी शुरू होती है इस दौरान प्रो एम एन झा (एमआर सिस्टम , टायस) ने सभी छात्रों को बधाई दी। उन्होंने आज के उदारीकरण, निजीकरण और वैश्यिकरण की दुनिया में छात्रों को अधिक समझदार और अधिक मानवीय होने की सलाह दी ।कार्यक्रम के अंत में डॉ अजय प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

–बाल कृष्ण मिश्र

CONVOCATION 2017

Master Chef Sanjeev Kapoor's astounding take on Healthy Lifestyle

Global chef Sanjeev Kapoor- possibly the biggest TV chef in the world. Best known an as author of numerous Indian style cookbooks and the star of the show Khana Khazana aired ON Zee TV since 1993. With more than 500 million viewers in the 18 years it has been broadcasted, his show won the Best Cookery Show award given by Indian Television Academy (ITA) in 2001. Singapore airlines recruited him as one of the members of "International Culinary Panel". Deemed as the "the most celebrated face of Indian Cuisine", Sanjeev has gained ravishing track record in the industry and was also selected as one of the top five chefs in the World by CNN's Richard Quest. In this interview, we talk about his take on Healthy Lifestyle Maintenance with Indian Cuisine and his health tips on how to remain healthy?

Q.) Hello sir, since you have come here today for the inauguration of Healthy Food Exhibition, I would like to know from you- What's the most primary thing one must practice to remain fit and healthy?

Ans- Well! There is no particular mantra which would change our life at once. There are several things one must do in life to remain fit and healthy. You need to get your food, your thoughts right and do exercise regularly. There is no "magic". Yes, one thing one must keep in mind is to not do an excess of anything. Like we say- "excess of everything is bad."

Q.) Today is the auspicious day of Mahashivratri and Holi is also round the corner. With two big festivals approaching, you have shared several recipes on social media. Out of that, which is your personal favourite?

Ans- (smiles) usually its said it's not Shivratri and Holi without the famous "Bhaang ke Pakode" (laughs). But since we are talking about healthy habits and Mahashivratri and holi are two auspicious occasions, one could go for a nice and healthy homemade badam Thandai which is both healthy and tasty.

Q.) Are there any healthy daily routine habits which you follow in your day-to-day life?

A still from the interview- Surabhi Jajodia with Master Chef Sanjeev Kapoor

Ans- Every morning, I drink overnight water soaked Bel and Neem leafs in "Tamba" vessel. And make sure to have multiple servings of fruits and green vegetables throughout the day.

Q.) Is there any particular fruit which is always there in your diet?

(In picture) - Surabhi Jajodia with Master Chef Sanjeev Kapoor

Ans- Papaya! It's a must. It's present in my breakfast plate all 365 days a year. And I also try to do as much as physical activity I can throughout the day. Like, I prefer climbing the stairs over lifts and elevators. If it's not a very high building(laughs). Also, I need to keep my thoughts right as much as possible.

Q.) Whydo you think Indian food has become such a universally popular cuisine?

Ans-There is such unity in the diversity of Indian food that it has won the hearts of all. Flavours, textures, presentation, variety, taste all are vibrant and unmatched. I would say Ayurveda plays a role in this an Indian meal has the power to satisfy all six senses of taste and the palate is the same the world over. So when a non-Indian enjoys Indian food it is because all senses of taste have been satisfied. Well, he might just not be aware of this power in Indian food but it is there.Q) Why has Indian food generated such a rich variety of deserts and sweets? What is unique about Indian sweets?

Ans- India is a vast country, the seventh largest in the world. It has 28 states and union territories. Each state has its language, its people and different cultures. Each culture has its traditions and festivals. As per our traditions, any auspicious moment or occasion needs something 'meetha' or sweet and because of these festivals the sweets and Mathai's evolved depending mainly on the availability of the ingredients available in the region. Gujarat has a lot of milk so from there comes shrikhand and ice cream. North has wheat and ghee and hence the halwas. South has rice and hence the payasams and kheers and hence forth.

Q) What have been the key drivers for the success of your journey?

Ans-My passion for making Indian cuisine the number one in the world is the main driving force. Because my goal is so clear, my path toward it is marked out…whatever hurdles come my way are then taken care of.

Surabhi Jajodia

हिंदी का वैश्विक दायरा बढ़ने से बढ़े कॅरियर के अवसर

चीनी भाषा के बाद हिंदी दुनिया भर में सबसे अधिक बोली जाने वाली दूसरी भाषा है। भारत और विदेशों में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या करीब 500 मिलियन है। यही नहीं हिंदी भाषा को अच्छी तरह समझने वाले लोगों की संख्या करीब 900 मिलियन है।?

सभी भाषाओं का स्वयं का अपना स्वरूप है जिनकी जड़ें किसी न किसी भाषा से जुड़ी हुई हैं। इसी तरह हिंदी भाषा का जन्म शास्त्रीय संस्त भाषा से हुआ है। हिंदी की अधिकतर शब्दावली संस्त से संबंधित है। इसके व्याकरण में भी समानताएं हैं। हिंदी को देवनागरी लिपि भी कहते हैं।

आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी

भारत के संविधान के (अनुच्छेद 343 (1) के द्वारा देवनागरी लिपि या हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची की पच्चीस भाषाओं में एक हिंदी है। भारत के संविधान ने सरकारी कार्यप्रणाली के लिए दो भाषाओं को मान्यता प्रदान की है जिसमें पहली हिंदी और दूसरी भाषा अंग्रेजी है।

स्वतंत्रता प्राप्त के बाद यह निश्चित किया गया था कि सन् 1965 से भारत की पूरी कार्यप्रणाली हिंदी भाषा में संपादित होगी और (अनुच्छेद 344 (2) और अनुच्छेद 351 के निर्देशों के अनुसार राज्यों को अपनी भाषा के चयन का अधिकार होगा, लेकिन आधिकारिक भाषा अधिनियम 1963 के तहत सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी का भी प्रयोग में लाने का निश्चय किया गया। यही कारण है कि अंग्रेजी आज भी आधिकारिक दस्तावेजों, अदालतों आदि में प्रयोग की जाती है।

भारत के कई राज्यों में हिंदी को आधिकारिक भाषा में रूप में मान्यता मिली हुई है। ऐसे राज्य हैं– बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली आदि। इसके साथ ही इन राज्यों की अपनी एक सह–सरकारी भाषा भी है, जैसे– उत्तर प्रदेश में उर्दू एक सहकारी भाषा है तो कई राज्यों में हिंदी को सह– भाषा का दर्जा दिया गया है।

हिंदी एक वैश्विक भाषा

अच्छी बात यह है कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों के बीच भारतीय संस्ति व भाषा सीखने की रुचि बढ़ी है। यही कारण है कि कई विदेशी देशों ने भारतीय अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए अपने यहां हिंदी सीखने के लिए अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं।इन संस्थानों में भारतीय धर्म, इतिहास और संस्ति पर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के साथ–साथ हिंदी, उर्दू और संस्त जैसे कई भारतीय भाषाओं की शिक्षा भी प्रदान की जाती हैं। वर्तमान के वैश्वीकरण और निजीकरण के समय में अन्य देशों के साथ भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों ने एक–दूसरे देशों की भाषाओं को सीखने की आवश्यकता को और भी अधिक बढ़ा दिया है।एक–दूसरे देश के साथ सहयोग एवं विकास की भावना के कारण हिंदी की लोकप्रियता अन्य देशों में बहुत अधिक बढ़ी है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण अमेरिका के कुछ स्कूलों ने फ्रेंच, स्पैनिश और जर्मन के साथ एक विदेशी भाषा के रूप में हिंदी को शुरू करने का फैसला है। इससे भी हिंदी को वैश्विक पहचान मिली है।

तकनीकी भाषा के रूप में हिंदी

भारतीय भाषा हिंदी के तकनीकी भाषा के रूप में विकास की शुरुआत 1991 में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग मिशन (टी.डी.आई.एल.) के साथ शुरू हुई। भारतीय भाषाओं की समृद्धि को देखते हुए इसे मिशन मानते हुए कई गतिविधियां शुरू की गईं। इसके बाद 1991 में यह निश्चित किया गया कि संवैधानिक रूप से हिंदी सहित प्रत्येक स्वीत भाषाओं के लिए तीन मिलियन शब्द का संग्रह विकसित किया जाएगा। इसके बाद हिंदी कॉरपोरेशन का विकास आई.आई.टी. दिल्ली को सौंपा गया।

1981–1919 के दौरान हिंदी कॉरपोरा से संबंधित स्रोत किताबों, पत्रिकाओं, पत्रिकाएं, समाचार पत्र और सरकारी दस्तावेजों में प्रकाशित किए गए थे। इसे छह मुख्य श्रेणियों में वर्गीत किया गया है, जिनमें सामाजिक विज्ञान, भौतिक–व्यावसायिक विज्ञान, सौंदर्यशास्त्र, प्रातिक विज्ञान, वाणिज्य, आधिकारिक और मीडिया भाषा और अनुवादित सामग्री शामिल हैं। शब्द स्तरीय टैगिंग के लिए सॉफ्टवेयर उपकरण, शब्द गणना, पत्र गणना, आवृत्ति गणना भी विकसित की गई हैं। विभिन्न संस्थानों द्वारा हिंदी में पठनीय मशीन के लगभग 30 लाख शब्द विकसित किए गए हैं।

हिंदी के विकास में हिंदी वर्ड प्रोसेसर की भी बहुमूल्य भूमिका है। कई संस्थानों ने हिंदी वर्ड प्रोसेसर का निर्माण कर हिंदी के विकास को गति प्रदान की है। इसके साथ–साथ 1991 में सरकार द्वारा जी.आई.एस.टी., शेलिपी, सुलीपी, ए.पी.एस., अक्षर विकास कार्यक्रम के तहत कई संस्थानों (सिद्धार्थ 1983 में डी.सी.एम.), लिपी (हिन्दीट्रौनिक्स 1983), आई.एस.एम., लिप ऑफिस (सी.डी.ए.सी., पुणे) के साथ कई अन्य संस्थानों ने भी हिंदी वर्ड प्रोसेसर का भी निर्माण किया है। पुणे स्थित सी.डी.ए.सी. संस्थान ने जी.आई.एस.टी. प्रौद्योगिकी की शुरुआत की, ताकि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय भाषाओं का प्रयोग किया जा सके। यह इनफॉर्मेशन इंटरचेंज, स्कीन पर उसका प्रदर्शन एवं विशेष फोंट (आई.एस.एफ.ओ.सी.) के लिए भारतीय स्क्रिप्ट कोड का प्रयोग करता है। इसके साथ ही यह विभिन्न स्क्रिप्ट्स (आई.एन.एस.सी.आर.आई.पी.टी.) आदि के लिए कुंजीपटल ले–आउट का इस्तेमाल करता है।

हिंदी भाषा में नौकरी या व्यवसाय के अवसर

विश्व भर में जिस तरह हिंदी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है उसी तरह हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न विभाग, राज्य सरकारों (हिंदी भाषी राज्यों) के विभिन्न विभागों में हिंदी भाषा में काम करना अनिवार्य हो गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों और केंद्रीय ध राज्य सरकारों की इकाइयों में हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक, प्रबंधक (आधिकारिक भाषा) जैसे कई पद होते हैं, जहां नियुक्तियां की जाती हैं।

निजी टीवी और रेडियो चौनलों के आगमन और स्थापित पत्रिकाओं ध समाचार पत्रों के हिंदी संस्करणों के विकास के कारण इन क्षेत्रों में भी नौकरियों के अवसर में कई गुना बढ़ौतरी हुई है। हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में संपादकों, पत्रकारों, संवाददाताओं, उप संपादक, प्रूफ रीडर, रेडियो जॉकी, एंकर आदि की आवश्यकता होती हैं, इन लोगों का अधिकांश कार्य भी हिंदी में ही होता है। हिंदी में शैक्षणिक योग्यता रखने के साथ–साथ पत्रकारिता जनसंचार में डिग्री डिप्लोमा की योग्यता के साथ अभ्यर्थी एक से अधिक स्थानों पर नौकरी का अवसर पा सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी रेडियो टीवी सिनेमा के क्षेत्र में स्क्रिप्ट लेखक संवाद लेखक गीतकार के रूप में उपलब्ध अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इन क्षेत्रों में रचनात्मक, कलात्मक लेखन की मांग होती है जो अभ्यर्थी इन क्षेत्रों की डिग्री या डिप्लोमा

हासिल कर स्वयं में विकसित कर सकते हैं।

इसके साथ ही प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय लेखक, जो अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषाओं में अपने लेख लिखते हैं उन लेखों का अनुवाद भी हिंदी में किया जा सकता है। इसी तरह द्विभाषी दक्षता रखकर कोई भी फ्रीलान्स अनुवादक के रूप में अपनी आजीविका अर्जित कर सकता है और अपनी अनुवाद कंपनियां भी स्थापित कर सकता है। ऐसी कंपनियां अनुबंध के आधार पर काम करती हैं और कई पेशेवर अनुवादकों को रोजगार प्रदान करती हैं। विदेशी एजेंसियों के पास अनुवाद परियोजनाओं के बहुत से अवसर उपलब्ध होते हैं। यह काम आसानी से इंटरनेट के माध्यम से किया जा सकता है।

पूरी दुनिया में सीस्ट्रान, एस.डी.एल. इंटरनेशनल, डेट्रॉइट ट्रांसलेशन ब्यूरो, प्रोज इत्यादि कई कंपनियां कई भाषाओं में अनेक सेवाएं उपलब्ध कराती हैं, जिनमें से एक भाषा हिंदी है। अन्य कंपनियां इन कंपनियों से अनुबंध के आधार पर भाषा सेवाएं मांगती हैं। आमतौर पर इन कंपनियों में कैरियर के अवसर स्थायी या फ्रीलांस अनुवादकों और दुभाषियों के रूप में उपलब्ध होते हैं।

हमने यह भी देखा है कि वैश्विक स्तर पर प्रकाशित की जाने वाली किताबों के प्रकाशक भी हिंदी भाषी लोगों के बीच पैठ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि प्रमुख बहुराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थानों ने न सिर्फ हिंदी भाषा में किताबों का प्रकाशन करना शुरू किया है बल्कि पुरानी और लोकप्रिय किताबों का बड़े पैमाने पर हिंदी अनुवादित कर प्रकाशित भी किया है। इसलिए बड़े प्रकाशन संस्थानों में अनुवादक, संपादक और संगीतकार के रूप में एक बहुत अवसर मौजूद होते हैं।

हिंदी भाषा में स्नातकोत्तर की योग्यता रखने वाले लोगों को विदेशी देशों में भी नौकरी का अवसर मिल सकता है। खासकर उन लोगों ने जिन्होंने अपनी पी. एच.डी. पूरी कर ली है। विदेशों विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाना या विदेशी भाषाओं के साथ–साथ दूसरे भाषा के रूप में हिंदी को पढ़ाकर अभ्यर्थी अपनी जीविका चला सकते हैं। भारत के विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एक शिक्षक और प्रोफेसर के रूप में हिंदी पढ़ाने का कार्य शुरू से चल ही रहा है।

–बालकृष्ण मिश्रा

भारतीय कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा से संबंधित उपलब्ध पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय कॉलेज	पठयक्रम
अंर्तराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, पंचतला, वर्धा (महाराष्ट्र)	एमए, एम.फिल, पी.एच.डी. (भाषा प्रौद्योगिकी)
डिपार्टमेंट ऑफ हिंदी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद – 46	हिंदी में एम.ए., एम.फिल., पी.एच.डी., फंक्शनल हिंदी, हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय विंग, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, टी. नगर, चेन्नई –17 (टी.एन.)	हिंदी साहित्य और भाषा में एम.ए., एम.फिल, पी.एच.डी., हिंदी अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा, हिंदी पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा
दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	हिंदी मे पी.जी.सर्टिफिकेट कोर्स
पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, (महाराष्ट्र)	फंक्शनल हिंदी में एम.ए.
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी –5 (यू.पी.)	फंक्शनल हिंदी में एम.ए. (पत्रकारिता)
अविनाशलिंगम डीम्ड यूनिवर्सिटी फॉर विमेन, कोयंबटूर (टी.एन.)	हिंदी पत्रकारिता में एम.ए.
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विद्वानियालय, भोपाल (एम. पी.)	हिंदी पत्रकारिता में एम.ए.
आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम (ए.पी.)	हिंदी पत्रकारिता में पी.जी. डिप्लोमा, अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी)
चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ(यू.पी.)	फंक्शनल हिंदी में एम.ए.
इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस लर्निंग, केरला विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम – 695581 (केरल)	फंक्शनल हिंदी में पी.जी. डिप्लोमा
दूरस्थ शिक्षा, बैंगलोर विश्वविद्यालय, केंद्रीय कॉलेज परिसर, अम्बेडकर विधी, बैंगलोर (कर्नाटक)	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी)
एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई (हिंदी)	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी)
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, (यूपी)	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी)
ईग्नू, नई दिल्ली	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा (हिंदी), हिंदी में रचनात्मक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

"THAT BOY WITH BRACES"

My first weak of college , I saw him walking towards me
He said hellow with a mesmorising smile ,
And my whole world paused for while
I could see those braces,
Which left my heart jumping with his love traces!!
Couldn't get him out of my head, Checked his profile, damn he is single
I kept blushing on my bed
Scrolled down, scrolled left and right, Was this a love at first sight?
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

Oh god ! Oh god!,He followed me,
Finally the butterflies inside my stomach were free
But my life became much better,
When I received his HELLOW in dm
Which was better than any love letter
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

Suddenly luck was all mine, He came to my life
Just at right time, I couldn't resist approaching him
He said *yes*, The dating period was short and trim
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces

He is crazy about superheroes and zombies
Making fun of BUMBAAT is his favourite hobby
And, one text from him makes my day
If i am a broken bone, He is my x-ray
So he is my own superhero, Thats all I can say
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

He is my Chandler, He and his sense of humour
Goes together just like, The cards and the gambler
But he would like it more
If I'll call him batman, Playing fifa is his favourite timepass
And ps4 is his wonderland
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

When he plays guitar , Together with his voice
I am falling for him, every new day
Oh god there's no choice
My friends call him bruno mars,
His bracy smile is brighter than the stars
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

He is so soft and sweet but, pretends to be strong
He hates it when anyone tries to prove him wrong
Girls I know he is cool, But
His heart is a kingdom, Where I rule
Because that boy with braces,
Left my heart jumping with his love traces!!

He is my only wish, For this new year
Because loosing him is my only fear
I won't say we are forever, But I will love him
As long as i can and, I am leaving him never
Because that boy with braces is only mine
My fingers are crossed...
hope our love will get stronger and stronger with time!!!!

Binita Budathokl

शिक्षक बनना चाहते हैं?पढ़ें CTET परीक्षा संबंधी जानकारी

सी.बी.एस.ई. अर्थात सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन द्वारा सी.टी.ई.टी. (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा) 2017 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। जो अभ्यर्थी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षक के रूप में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं वे **CTET** 2017 के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र सी.बी.एस.ई. की आधिकारिक वेबसाइट **www-ctet-nic-in** पर उपलब्ध होगा, जो ऑनलाइन भरा जाएगा। इस परीक्षा के संबंध में अधिसूचना जल्द ही प्रकाशित की जाएगी।

सी.टी.ई.टी. की परीक्षा में हर साल 10 लाख से अधिक अभ्यर्थी भाग लेते हैं। इस परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को सी.टी.ई.टी. द्वारा अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। ये प्रमाण पत्र केंद्र सरकार की नियुक्तियों सहित राज्यों की शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए मान्य होता है। ब्ज्म्ज् की परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपना पंजीकरण 2 जून से 23 जून 2017 तक कर सकते हैं। प्रवेश पत्र 10 जुलाई 2017 को जारी होने की उम्मीद है। परीक्षा 23 जुलाई 2017 को आयोजित होने की उम्मीद है। अभ्यर्थी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन के आधिकारिक पोर्टल

—सौम्या

सी.बी.एस.ई. सी.टी.ई.टी. प्राथमिक परीक्षा 2017 के लिए पात्रता संबंधी मानदंड

सी.टी.ई.टी. 2017 के लिए पात्रता मानदंड की अलग—अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। परीक्षार्थियों की अधिक जानकारी के लिए विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है—कक्षा 1 से 5 तक की प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के लिए पात्रता मानदंड

1. वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा में न्यूनतम 50: अंक एवं प्राथमिक शिक्षा डिप्लोमा कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में अध्ययनरत।
2. वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा में कम से कम 45: अंक और एन.सी.टी.ई. के अनुसार प्राथमिक शिक्षा डिप्लोमा कोर्स के द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत।
3. वरिष्ठ माध्यमिक स्तर में कम से कम 50: अंक एवं बी.ई.ई.एड उत्तीर्ण।
4. स्नातक उत्तीर्ण एवं प्राथमिक शिक्षा के दो वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत।

—करूणा

World No Tobacco Day 2017: Beating tobacco for health, prosperity, the environment and national development

Action to stamp out tobacco use can help countries prevent millions of people falling ill and dying from tobacco-related disease, combat poverty and, according to a first-ever WHO report, reduce large-scale environmental degradation.

On World No Tobacco Day 2017, WHO is highlighting how tobacco threatens the development of nations worldwide, and is calling on governments to implement strong tobacco control measures. These include banning marketing and advertising of tobacco, promoting plain packaging of tobacco products, raising excise taxes, and making indoor public places and workplaces smoke-free.

Tobacco's health and economic costs

Tobacco use kills more than 7 million people every year and costs households and governments over US$ 1.4 trillion through healthcare expenditure and lost

productivity.

"Tobacco threatens us all," says WHO Director-General Dr Margaret Chan. "Tobacco exacerbates poverty, reduces economic productivity, contributes to poor household food choices, and pollutes indoor air."

Dr Chan adds: "But by taking robust tobacco control measures, governments can safeguard their countries' futures by protecting tobacco users and non-users from these deadly products, generating revenues to fund health and other social services, and saving their environments from the ravages tobacco causes."

All countries have committed to the 2030 Agenda for Sustainable Development, which aims to strengthen universal peace and eradicate poverty. Key elements of this agenda include implementing the WHO Framework Convention on Tobacco Control, and by 2030 reducing by one third premature death from noncommunicable diseases (NCDs), including heart and lung diseases, cancer, and diabetes, for which tobacco use is a key risk factor.

Tobacco scars the environment. The first-ever WHO report, Tobacco and its environmental impact: an overview, also shows the impact of this product on nature, including:

Tobacco waste contains over 7000 toxic chemicals that poison the environment, including human carcinogens.

Tobacco smoke emissions contribute thousands of tons of human carcinogens, toxicants, and greenhouse gases to the environment. And tobacco waste is the largest type of litter by count globally.

Up to 10 billion of the 15 billion cigarettes sold daily are disposed in the environment.

Cigarette butts account for 3040% of all items collected in coastal and urban clean-ups.

Tobacco threatens women, children, and livelihoods. Tobacco threatens all people, and national and regional development, in many ways, including:

Poverty: Around 860 million adult smokers live in low- and middle-income countries. Many studies have shown that in the poorest households, spending on tobacco products often represents more than 10% of total household expenditure meaning less money for food, education and healthcare.

Children and education: Tobacco farming stops children attending school. 10%14% of children from tobacco-growing families miss class because of working in tobacco fields.

Women: 60%70% of tobacco farm workers are women, putting them in close contact with often hazardous chemicals.

Health: Tobacco contributes to 16% of all noncommunicable diseases (NCDs) deaths.

Palak Gupta BJMC

THIS MONTH

May 21, 1991: Former Indian Prime Minister Rajiv Gandhi was assassinated in the midst of a re-election campaign, killed by a bomb hidden in a bouquet of flowers. He had served as prime minister from 1984 to 1989, succeeding his mother, Indira Gandhi, who was assassinated in 1984.

•••

May 25, 1994: After 20 years in exile, Russian author Alexander Solzhenitsyn returned to his homeland. He had been expelled from Soviet Russia in 1974 after his three-volume work exposing the Soviet prison camp system, The Gulag Archipelago, was published in the West.

•••

May 10, 1994: Former political prisoner Nelson Mandela was inaugurated as president of South Africa. Mandela had won the first free election in South Africa despite attempts by various political foes to deter the outcome.

•••

May 18, 1998: In one of the biggest antitrust lawsuits of the 20th century, American software giant Microsoft Corporation was sued by the U.S. Federal government and 20 state governments charging the company with using unfair tactics to crush competition and restrict choices for consumers. The lawsuits alleged Microsoft used illegal practices to deny personal computer owners the benefits of a free and competitive market and also alleged Microsoft extended its monopoly on operating systems to "develop a chokehold" on the Internet browser software market.

•••

Compilation: Honey Shah

BASICS OF MEDIA

Below-the-line personnel: A budgetary division referring to technical personnel.

•••

Pancake: A makeup base, or foundation makeup, usually water soluble and applied with a small sponge.

•••

Nontechnical production personnel: People concerned primarily with nontechnical production matters that lead from the basic idea to the final screen image. Also called above-the-line personnel.

•••

Performer: A person who appears on-camera in non dramatic shows. Performers play themselves and do not assume someone else's character.

•••

Demographics: Audience research factors concerned with such data as age, gender, marital status, and income.

•••

Effect-to-cause model: Moving from idea to desired effect on the viewer, then backing up to the specific medium requirements to produce such an effect.

•••

Compilation: Rahul Mittal

बेजोड़ कला का नमूना है विश्व प्रसिद्ध ''ढाई दिन का झोंपड़ा''

स्थापत्य कला की षिट से विश्व की अति सुन्दर इमारतों में शामिल किये जाने योग्य इस प्राचीन भवन का निर्माण 1152–53 ईस्वी में चौहान नरेश विग्रहि राज चतुर्थ ने कराया था। ऐसा भी माना जाता है कि उक्त भवन 1075 ई. में तत्कालीन चौहान नरेश (दुर्लभ राज तृतीय अथवा विग्रह राज तृतीय) के समय निर्मित हुआ था। मूलतः यह महाविद्यालय का भवन था (सरस्वती कण्ठा भरण) किन्तु तराइन के दूसरे युद्ध 1192 में पृथ्वीराज चौहान तृतीय के हार जाने के बाद अजमेर में व्यापक स्तर पर तोड़फोड़ की गई और इस भवन को भी बहुत नुकसान पहुंचाया गया। इसे मस्जिद में बदलने का कार्य कुतुबुद्दीन एबक ने किया जो 1199 ई. तक चलता रहा। उन्नीसवीं सदी में यहां पंजाब से आकर कोई संत (पंजाब शाह बाबा) रहने लगे और यहां उसका देहान्त हो गया। उनका उर्स मनाने के लिए फकीर गण यहां ढाई दिन तक रहने लगे और तभी से यह प्राचीन विद्यालय भवन ढाई दिन का झोंपड़ा कहा जाने लगा। सन् 1909 में खुदाई के दौरान इस भवन के प्रांगण में एक शिवलिंग मिला है। सन् 660 ई. के आस–पास वीरम काला नामक व्यक्ति ने अजमेर के इसी क्षेत्र में एक विशाल जैन मंदिर बनवाया था किन्तु उसकी वास्तविकता ज्ञात नहीं है और उस समय की गई व्यापक तोड़–फोड़ के परिणाम स्वरूप उक्त मंदिर का भी नामोनिशान मिट गया, वैसे ही जैसे अजयराज चौहान द्वितीय द्वारा बनवाये गये अनेक मंदिर व भवन भी मुस्लिम सैनिकों ने मिट्टी में मिला दिये। ऐसी तोड़–फोड़ में बरबाद हुए हिन्दू मंदिरों, भवनों का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि जो चौहान कालीन शानदार झील बीसल सर और उसके चतुर्दिक महल–मंदिर बादशाह जहांगीर के अजमेर प्रवास के समय (1613–16) तक विद्यमान थे, वे सब आज कहीं भी देखने को नहीं मिलते। अतः सरस्वती काण्ठाभरण भी उसी तोड़–फोड़ के परिणाम स्वरूप खण्डहरों में बदल गया। मूलतः यह भवन 254 वर्ग फीट की लगभग 15 फीट ऊंची चौकोर चौकी पर लाहित पीत वर्णी पत्थरों से बना हुआ है।

Vol. 13 **No.** 5
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, responsible for selection of News under PRB Act. All rights reserved.

मुख्य द्वार (पूरब में) पर चार झरोखे थे जिनमें तीन अभी देखे जा सकते हैं। एक विशाल द्वार दक्षिण में था जो टूटी–फूटी अवस्था में अभी भी है। इस तरफ दो मंजिलों में द्वार के दोनों तरफ दीवार में आश्रम थे जिनमें पहली मंजिल पर छत आश्रम भग्नावस्था में अभी भी है। मुख्य द्वार के दोनों तरफ वाले आश्रमों में अभी इसी भवन के मग्नावशेष (कलात्मक स्तंभ व पत्थर) सुरक्षित रखे हुए हैं। बांई तरफ के समस्त निर्माण लुप्त हो गये हैं, केवल 8–10 फीट चौड़ी दीवार शेष है। प्रांगण में चार चबूतरे हैं जिन पर भी भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं व कुछ कब्रें (बाद की बनी हुई) हैं।

मुख्य द्वार के बिल्कुल सामने पश्चिम दिशा में पहले सरस्वती भवन था। यहां लगभग 84 फीट ऊंचे स्तम्भ यथावत हैं। इस भवन की छत नयनाभिराम है जिसमें पांच विशाल गुम्बद कलात्मक स्तंभों पर (70 स्तंभ) दर्शनीय हैं। पांच पंक्तियों में विभक्त स्तंभों की पहली पंक्ति पश्चिमी दीवार में धंसी हुई है। इस दीवार पर छह छोटे एवं एक बड़ा मेहराब बना है।

यह मेहराब मुस्लिम काल का है तथा उस पर कुरान की आयतें उत्कीर्ण हैं। इसी मेहराब में एक मेम्बर (धर्म गुरु के खड़े रहने का स्थान) है। गुम्बदों के भीतरी भागों पर बारीक स्थापत्य और इसी भांती इनके दोनों तरफ अनके ब्लाक्स (आलेनुमा चौकोर) में विविध आकारों का उत्कीर्ण मनमोहक है। भवन के पूरब की तरफ साढ़े ग्यारह फीट मोटी स्क्रीन वाली दीवार में सात खूबसूरत मेहराब हैं। मुख्य मेहराब 22 फीट 3 इंच चौड़ी और इसके दोनों तरफ वाली तीन–तीन मेहराब साढ़े पांच इंच चौड़ी हैं। इस दीवार पर भी कुरान की आयतों के अलावा बारीक उत्कीर्ण अरबी शैली के हैं।

यह कलात्मक दीवार 185 फीट लम्बी और 56 फीट ऊंची है। कर्नलटॉड ने इस परिवर्तित मस्जिद रूप को अरबी शैली का शानदार नमूना कहा है जबकि जनरल कनिंधम इसे भारतीय शिल्पकला का कमाल कहते हैं। सरस्वती भवन के चारों तरफ चार मठ थे और चारों कोनों पर तारानुमा आकर्षक छतरियां वाली मीनारें थीं। इनमें केवल पूर्वोत्तर कोने की मीनार के भग्नावशेष ही बचे हुए हैं। इसी भांति स्क्रीन वाल के मुख्य मेहराव के ऊपर मिजान रूप में निर्मित दो मीनारें (खोखले टॉवर) अभी भी देखी जा सकती हैं। दक्षिणी मीनार की एक मंजिल टूट चुकी है और उत्तरी मीनार पर सुल्तान इल्तुतमिश का नाम पदवी उत्कीर्ण है। यहां पर 1857 ई. में की गई खुदाई में अरबी, संस्त, हिन्दी के अनेक शिलालेख व पट्टियां मिली हैं। भूरी शिलाओं पर उत्कीर्ण लिपी देवनागरी में है। अरबी भाषा का पुराना शिला लेख 1199 ई. का इमामसाह संगमरमरी पर है। इस प्रकार सरस्वती भवन एतिहासिक षिट से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

शालिनी गुलियानी

IMPORTANT QUOTES

"University politics are vicious precisely because the stakes are so small."

Henry Kissinger

•••

"Sometimes a scream is better than a thesis."

Ralph Waldo Emerson

•••

"There is no sincerer love than the love of food."

George Bernard Shaw

•••

"Too many pieces of music finish too long after the end."

Igor Stravinsky

•••

"There are some experiences in life which should not be demanded twice from any man, and one of them is listening to the Brahms Requiem."

George Bernard Shaw

•••

Compilation: Devashish Tondon

WINNERS v/s LOOSERS Part-70

A Winner makes commitments; A Loser makes promises.

•••

Winners have dreams; Losers have schemes.

•••

Winners truly believe; Losers only hope.

•••

Winners have a mission; Losers have excuses.

•••

Winners make sacrifices for the team; Losers care only about themselves.

•••

Winners make it happen; Losers let it happen.

To Be Continued In Next Issue-

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at: **hodbjmc@tecnia.in**